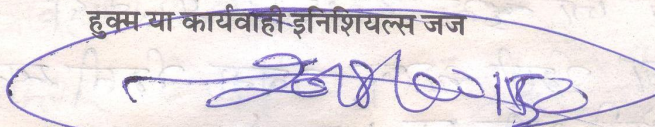


FORM No. III
फर्द अहकाम
 (नियम 26)

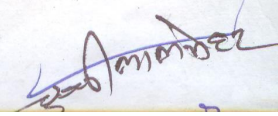
अज अदालत उप जिला कलेक्टर मुकाम दीगोद
नाथूलाल बनाम वीशाल लाल
 किस्म मुकदमा 183 R.A.H. नं. सन् 2018

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही इनिशियल्स जज 	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
-------------	---	---

२७/५/१८ वाफे वाली श्री नाथूलाल की ओर से जय वकील ललिता किशोर मालव द्वारा प्रस्तुत रिफ्त गिया गिये रि शीशत देखी गई। वाफे फर्द खजिर-२२ हो प्रतिवादी की तली जयें मोठि की जाली वादी अपन प्रमाण को लोक अदालत के माध्यम से कराना चाहते हैं। उक्त परावली वाफे सुनवाई लोक अदालत के माध्यम से दिनांक २/५/१८ को किया गया।

२/५/१८ परावली लोक अदालत के माध्यम से पेश हुई। वादी एवं प्रतिवादी की ओर से पुन्नीलाल मेहर उपस्थित। उभयपक्ष को मजमे आम में सुना गया, वादी ने मजमे रिफे रि विवरित आराजी ख० नं० ५८

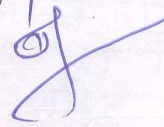
वाफे गायी



तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही इनिशियल्स जज	नम्बर अहक हुक्म की तारीख में जारी हुए
----------------	---------------------------------	--

की भूमि पूर्व खातेदार हीरलाल के
 ज़रिये रीजिस्टर्ड विट्पत्र खरीद की
 गई थी, जिसका नामांकन मेरे पक्ष में दर्ज
 किया जा चुका है, किन्तु प्रतिवादी
 बिना किसी कारण, बिना किसी स्वत्व
 के मेरी भूमि पर जबरन कब्जा कर
 लेता है, जिसे दूरयथा जाकर मुझे
 कब्जा सौंपा जावे। प्रतिवादी नं. 1 की
 औरसेम्पन ठीके कि, विवादित आराजी
 पर होरालाल का अन्य किसी का कब्जा
 नहीं है। मजसे भाग में उपस्थित पक्षों के
 बीच मध्य सुल्ह करवाई गई। उपपक्ष
 न इस बात सहमत माय की गई
 कि मौके पर विवादित आराजी का
 दोनो पक्षों की उपस्थिति में सीमाज्ञान कर
 पत्थरपड़ी की जावे। सहमति बाबत आदेशिका
 पर हस्ताक्षर किये। तब: उपपक्ष की
 सहमति के आधार पर वादवादी
 आशिकु खीरार किया जाकर आदेश
 दिये जाते हैं कि विवादित आराजी
 का दोनो पक्षों की उपस्थिति में सीमाज्ञान
 कर पत्थरपड़ी की जावे। तस्लीलदार
 दीगोद को निर्देशित किया जाता है।

राजस्व दल का गठन कर रिकार्डल
खोन. 58 वाले ग्राम कुराडी का उपपक्ष
की उपस्थिति में सीमाज्ञान कर पट्टागणी
कराये। लड़नकार डिम्बी जारी हो।
निर्णय करे राजस्व सुनाया गया।
पत्रावली कैबल शुमार होकर दाखिल
दफ्तर हो।

 रविशंकर
(लो.क.व.अ.स)